Mazharul Haque Teachers' Training College
ESTD 2010
Samastipur
Mathurapur
PAGE NO.

Manisha Kumari
Class - B.Ed. 1st Year
Roll No - 230007
Sub - Pedagogy of Hindi
Sec - 'A'

Date - 30/11/23

7/8
Gautam Govind
07/12/23

Q. बाल विकास के विभिन्न अवस्थाओं में भाषा की भूमिका का विश्लेषण करें।

Introduction

भाषा विकास बौद्धिक विकास के लिए उत्तम माना जाता है। भाषा विकास बालकों में मानसिक व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। भाषा सर्वप्रथम बच्चा माता-पिता, परिवार समाज व तत्पश्चात विद्यालय व बाहरी वातावरण से सीखता है। भाषा के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

भाषा के कारण ही मनुष्य सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। भाषा मूर्त से अमूर्त की ओर चलता है। भाषा विकास पढ़ने, लिखने व सीखने में सहायता करता है।

PAGE NO:
Mazharul Haque Teachers' Training College
ESTD 2010
Samastipur
Mathurapur

विभिन्न अवस्थाओं में भाषा विकास —

(1) शैशवावस्था में भाषा विकास —

इस अवस्था में बच्चा अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा सीखता है शिशु की प्रथम भाषा रोना से शुरू होती है इस अवस्था में शिशु को स्वर का व्यंजन का ज्ञान नहीं होती है। लगभग 4 माह तक शिशु जो ध्वनियां निकालता है उसमें स्वरों की संख्या अधिक होती है। ~~10 माह~~ में 10 माह में बच्चा एक शब्द निकलता है जिसे वह बार - बार दोहराता है। 1 वर्ष में उसकी भाषा अस्पष्ट होती है केवल उसके माता - पिता ही बच्चों की ध्वनियां समझकर उसकी भाषा का अर्थ समझ पाते हैं। इसमें वाक्य रचना एक शब्द की होती है जैसे - दूध के लिए दू - दू शब्द का उच्चारण करता है।

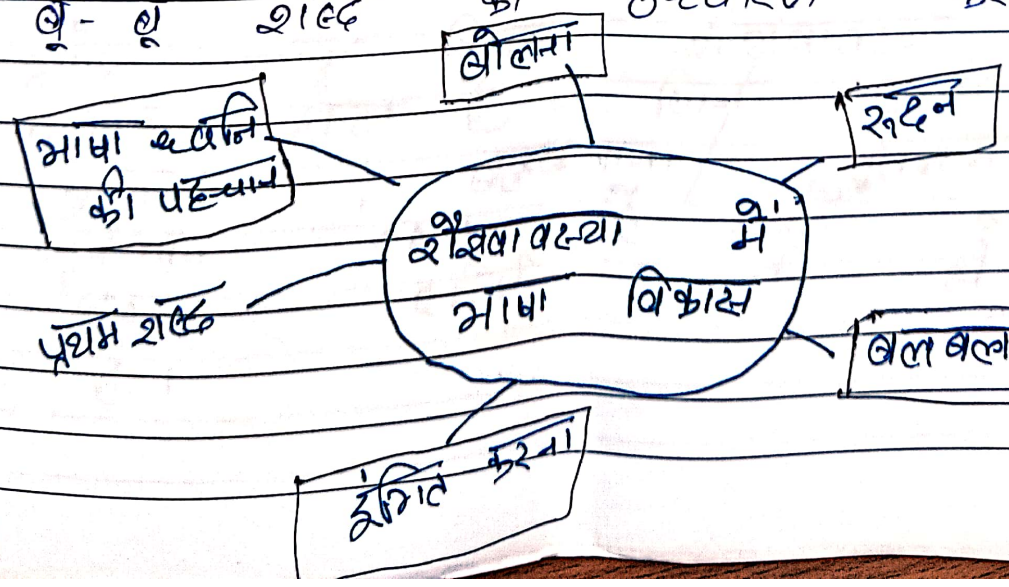

PAGE NO.
Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College
ESTD-2010
Samastipur
Mathurapur

स्मिथ के अनुसार शैशवावस्था में भाषा का विकास —

आयु	शब्द
0-8 माह	0
10 माह	1
1 वर्ष	3
1 वर्ष 3 माह	19
1 वर्ष 6 माह	22
1 वर्ष 9 माह	118
2 वर्ष	212

एनास्थसी के अनुसार —

लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा भाषा विकास शैशवावस्था में अधिक होता है। भिन्न बच्चों में हकलाना, बलबलाना, तुतलाना या गूंगापन रहता है उसमें भाषा गति से होती विकास कमी है।

Scanned with OKEN Scanner

बाल्यावस्था में भाषा विकास —

बाल्यावस्था में भाषा विकास आयु के साथ-साथ तीव्र होती है इसमें सीख सीखने की गति बढ़ती है। इस अवस्था में बालक शब्द से लेकर वाक्य विन्यास तक की सभी क्रियाएँ सीख लेता है।

इस अवस्था में बालक अधिक प्रश्न करता है। इस अवस्था में कल्पना वस्तुओं को देखकर उसके बारे में उसे ज्ञान होने लगता है। (Imagination) कल्पना वह वस्तुओं या जानवरों (हाथी) को एक जैसा समझता है।

इस अवस्था में यदि बालक को बोलने में कोई त्रुटि होती है तो वह उसे सुधारने की कोशिश करता है।

मनोवैज्ञानिक डाक्टर के अनुसार —

- लड़कियों की भाषा विकास लड़कों की अपेक्षा अधिक होती है।
- लड़कों की अपेक्षा लड़कियों के वाक्यों में शब्द संख्या अधिक होती है।
- लड़कियाँ अपनी बातों को सही ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता लड़कों से अधिक होती है।

PAGE NO.

Mazharul Haque Teachers' Training College
ESTD 2010
Samastipur
Mathurapur

सीशोर के अनुसार बाल्यावस्था में भाषा विकास —

आयु	शब्द
4 वर्ष	56,000
5 वर्ष	96,00
6 वर्ष	14,700
7 वर्ष	21,200
8 वर्ष	26,300
10 वर्ष	34,300

(iii) किशोरावस्था में भाषा विकास

- इस अवस्था में किशोर / किशोरी में भाषा का ज्ञान पूर्णतः हो चुका होता है।
- इस अवस्था में शब्दों में शब्दकोश का विकास होता है। वे गुप्त code या symbols के द्वारा भी बात करते हैं, जो सामने वाला जानता है।

Scanned with OKEN Scanner

PAGE NO.
Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College
ESTD.2010
Samastipur
Mathurapur

- इस अवस्था में साहित्य पढ़ने की रुचि होती है।

- किशोर में अनेक शारीरिक संवेग उत्पन्न होते हैं। भाषा का विकास भी उनसे प्रभावित होता है।

- इस अवस्था में कल्पना शक्ति का विकास होता है, जैसे- साहित्य, कविता, चित्रकार करता है।

निष्कर्ष :-

उपर्युक्त कथनों के आधार पर कहा जा सकता है कि विभिन्न अवस्थाओं में बच्चों में भाषा का विकास होता है। जो भाषा विकास बचपन से ही शुरू मुख्य रूप से शैशवावस्था में हो जाती है। बलबलाना सीखता है। बच्चा रोना, में बच्चा 1-2 शब्दों बाल्यावस्था आना सीख जाता है। से वाक्य में पूर्णता बोल किशोरावस्था में हो चुका होता है।